वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 85 | शनिवार 19 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान बाघ संरक्षण फाउंडेशन की बैठक आयोजित

जयपुर. कंचन केसरी। राज्य में बाघों के संरक्षण एवं टाइगर रिजर्व्स की प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित राजस्थान बाघ संरक्षण फाउंडेशन के शासी निकाय की तृतीय बैठक शुक्रवार को अरण्य भवन में वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में रणथम्भौर, सरिस्का, रामगढ़ विषधारी, धौलपुर एवं मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में बाघों की वर्तमान संख्या, उनके मूवमेंट पैटर्न, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति, निगरानी व्यवस्था में तकनीकी संसाधनों का उपयोग तथा बाघ संरक्षण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं और भावी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। संजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जैव विविधता संरक्षण एवं बाघों की सुरक्षा को लेकर कटिबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीसीटीवी, ड्रोन सर्विलांस एवं ई-गश्त प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाते हुए टाइगर रिजर्व की निगरानी को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रात्रि प्रवास, संवाद कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को टाइगर रिजर्व के नियमों और बाघ संरक्षण के महत्व से अवगत कराया जाए।

पर्यटक सुविधाएं एवं ई-गवर्नेंस पर जोर

शर्मा ने निर्देश दिए कि अभयारण्यों में आने वाले पर्यटकों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं, स्वच्छता और रखरखाव की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, विभाग की वेबसाइट को अधिक आकर्षक और यूजर फ्रेंडली बनाया जाए ताकि पर्यटकों को टिकट बुकिंग एवं अन्य सेवाएं पारदर्शी और सहज रूप से प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं वन्यजीवों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से निःशुल्क भ्रमण कार्यक्रमों की व्यवस्था की जाए।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित

लोकसभा सांसद मंजू शर्मा, राव राजेन्द्र सिंह ने की शिरकत

जयपुर जिले के विधायकों एवं जनप्रतिधियों की मौजूदगी में हुई बैठक। बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य जैसे जनहित के कई मुद्दों पर हुई चर्चा। केंद्र एवं राज्य सरकारी की लोक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

जयपुर. कंचन केसरी। जिला कलक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक का आयोजन हुआ। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, जयपुर सांसद मंजू शर्मा की मौजूदगी में आयोजित हुई बैठक में जिले में बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य सहित जनहित से जुड़े अहम बिन्दुओं पर चर्चा हुई। बैठक में विधायक प्रशांत शर्मा, बाल मुकुन्दाचार्य, महेन्द्र प्रताप सिंह मीणा, मनीष यादव, डॉ. शिखा मील बराला, जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि बैठक में मौजूद रहे। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों ने जिले में अपने विभाग से संबंधित केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की कार्यप्रगति एवं क्रियान्वयन से जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया। बैठक में अधिकारियों को बिजली एवं पेयजल की निबार्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। वहीं, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जेडीए अधिकारियों को बारिश के कारण टूटी सड़कों के गुणवत्तापूर्ण पुनर्निमाण एवं मरम्मत के निर्देश दिये गए। नगर निगम के अधिकारियों को जिले में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ-साथ अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए। बैठक में जिला कलक्टर डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा, नगर निगम जयपुर ग्रामीण गौरव सैनी सहित जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर नगर निगम ग्रेटर एवं हेरिटेज, ऊर्जा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, रसद विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान और एमपी शुरू कर सकते हैं हेरिटेज ट्रेल

जयपुर. कासं

शहर में शुक्रवार को एमपी टूरिज्म बोर्ड ने रोड शो किया। शुरूआत बधाई लोकनृत्य से हुई। मध्य प्रदेश और राजस्थान के पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स और होटल इंडस्ट्री के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोग्राम किया गया। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की एडिशनल मैनेजिंग डायरेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने बताया कि हालांकि राजस्थान टूरिज्म के साथ मिलकर फॉर्मल एमओयू साइन नहीं किया है। चूंकि राजस्थान

में हेरिटेज प्रॉपर्टी है। ऐसे में मौका मिलने पर एमपी अपने मध्यकालीन शहर जैसे खजुराहो, चंदेरी, मांडू के साथ राजस्थान के हेरिटेज को जोड़कर हेरिटेज ट्रेल शुरू कर सकते हैं। राजस्थान के वाइल्डलाइफ सर्किट को एमपी के श्योपुर सर्किट तक जोड़ सकते हैं। इससे यह फायदा होगा कि रणथंभौर में टाइगर सफारी करने वाले ट्रेवलर्स श्योपुर के कुनो नेशनल पार्क में चीतों को देख सकेंगे। इसी तरह हम गुजरात के साथ मिलकर क्रूज टूरिज्म पर काम कर रहे हैं। एमपी के स्टेच्यू ऑफ वननेस से गुजरात के स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के बीच क्रूज चलाने की योजना है। इससे वॉटर बेस्ड टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। एमपी टूरिज्म डिपार्टमेंट ने अपने जेट्टी लगा दिए हैं। दोनों राज्यों

सेंट मेरीज कॉन्वेंट सीनियर सैकण्डरी विद्यालय-तीतरड़ी: "रजत जयंती स्पेक्ट्रा" में दिखा विद्यार्थियों का झलका उत्साह

एकल नृत्य, ओरिगेमी, मास्क मेकिंग और शॉट पुट, स्टोरी टेलिंग, वीडियो मेकिंग और डिस्कस थ्रो जैसी स्पधाओं में सेंट मेरीज कॉन्वेंट विद्यालय, फतेहपुरा को विनर ट्रॉफी, सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोवर्धन विलास रनर-अप रहे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सेंट मेरीज कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, तीतरड़ी में विद्यालय की रजत जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 17-18 जुलाई को ''रजत जयंती स्पेक्ट्रा'' कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय अंतरविद्यालयी प्रतियोगिताओं का समापन शुक्रवार को हुआ। इसमें शहर के प्रतिष्ठित सीबीएसई स्कूलों में- सेंट एंथॉनी-गोवर्धन विलास, द स्टडी, आलोक विद्यालय-सेक्टर11, सेंट एंथॉनी-सेक्टर 4, सेंट्रल अकेडमी-सरदारपुरा, सेंट तरेसा-पुष्पगिरी, स्टेप बाई स्टेप, इंडो अमेरिकन पब्लिक स्कूल, सेंट ग्रेगोरियस, द स्कॉलर एरीना-आरके पुरम और स्वामी नगर, सेंट मेरीज कॉन्वेंट विद्यालय-फतहपुरा, सीडलिंग मॉडर्न पब्लिक स्कूल और सीडलिंग वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को दीप प्रज्वलन के साथ विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर अमीथा, सिस्टर रश्मि, सिस्टर जेस्सी, निर्णायक ओमप्रकाश कुमावत और शैली श्रीवास्तव ने किया। अन्य निर्णायकों में दीपिका माली, यामिनी शर्मा, सूरज सोनी, निर्मल यादव, पूनम भू, निधि सक्सेना, राकेश शर्मा ''राजदीप'' और सुनील निमावत शामिल थे। प्रतियोगिता में पहले दिन एकल नृत्य, ओरिगेमी, मास्क मेकिंग और शॉट पुट तथा दूसरे दिन स्टोरी टेलिंग, वीडियो मेकिंग और डिस्कस थ्रो जैसी प्रतिस्पधाएं संपन्न हुईं। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, आत्मविश्वास और टीम भावना का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए निर्णायकगणों को प्रभावित किया। समापन समारोह में प्रधानाचार्या सिस्टर अमीथा ने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के माध्यम से आत्म विकास का संदेश देते निर्णायकों का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में विजेताओं को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में सेंट मेरीज कॉन्वेंट विद्यालय, फतेहपुरा को विनर ट्रॉफी और सेंट एंथनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोवर्धन विलास को रनर-अप ट्रॉफी प्राप्त हुई। कार्यक्रम संचालन विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया। विद्यालय गीत और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। **-रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

णमोकार मंत्र ही कल्पवृक्ष और चिंतामणि रत्न है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

टोंक. शाबाश इंडिया

श्रीमद् जैन धर्म, श्री का अर्थ लक्ष्मी होता है अर्थात जैन धर्म लक्ष्मी युक्त होता है ।लक्ष्मी से सबको प्रसन्नता होती है, आपने मनुष्य जन्म में श्रीमद् जैन धर्म प्राप्त किया है, जैन धर्म कल्पवृक्ष और मणी के समान होते हैं पहले जमाने में कल्पवृक्ष भोग भूमि और स्वर्ग में होते थे कल्पवृक्ष से जो भी इच्छाएं वस्तु चाहते थे वह तत्काल मिलती थी। इसी प्रकार रत्नों मणी में भी एक चिंतामणि रत्न होती थी इसके समीप रहने से सभी कष्ट पीड़ा दूर होती है ।वर्तमान में 23 वे तीर्थंकर श्री पारसनाथ भगवान को चिंतामणि पारसनाथ कहा जाता है। जैन धर्म से बुद्धि, विद्या, रिद्धि प्राप्त होती है। हमें कल्पवृक्ष या मणि की जरूरत नहीं है हमारे भीतर भगवान के प्रति श्रद्धा ,विश्वास, भावना और भक्ति है तो जैन धर्म ही कल्पवृक्ष और मणी है णमोकार मंत्र ही कल्पवृक्ष और मणी है। णमोकार मंत्र ही सभी मंत्रों का राजा है इससे 84 लाख मंत्रो की उत्पत्ति हुई है। यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज ने टोंक की धर्म सभा में प्रकट की। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने धर्म देशना

में णमोकार मंत्र का महत्व बताते हुए बताया कि णमोकार मंत्र में पांच पद अरिहंत सिद्ध आचार्य उपाध्याय और सर्व साधु के होते हैं। एक श्वास लेते समय नमो अरिहंतानम और सांस छोड़ते समय नमो सिद्धांनमः बोलना चाहिए। जैन धर्म केवली भगवान द्वारा प्रतिपादित धर्म है धार्मिक कार्य आकुलता से रहित होकर करना चाहिए णमोकार मंत्र से बड़ा कोई डॉक्टर और औषधि नहीं है मंत्रों का जाप विधि पूर्वक आत्मा की शुद्धि के लिए किया जाता है। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री विनम्र मति माताजी का प्रवचन हुआ अपने प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज के जीवन के गुणों का वर्णन किया। सातगोड़ा बचपन से पक्षियों के प्रति दया और करुणा का भाव ओर व्यापार में भी निस्पृह रहते थे। आप ने प्रवचन में बताया कि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के पैर में चक्र और ध्वजा का चिन्ह है जिसका यह अर्थ है कि

आचार्य श्री द्वारा बहुत धर्म प्रभावना होगी। सभी को धर्म धारण कर आत्मा का कल्याण करना चाहिए। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार अनुसार धर्म सभा में श्रीजी और पूवार्चार्य का चित्र का अनावरण दीप प्रवज्जलन शर्मा कॉलोनी एवं महावीर नगर मंडल द्वारा किया जाकर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की इस मौके पर सुनील सर्राफ एवं विनोद सर्राफ के भक्तिमय भजनों पर बड़े भक्ति भाव से भक्ति नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं अष्टद्रव्य समर्पित किया आज अष्टमी को आचार्य श्री सहित अनेक साधुओं के उपवास थे। संघ में आर्यिका श्री प्रेक्षामति माताजी ने कैशलोचन किया। आचार्य शांतिसागर शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत सूरजमल, रमेशचंद निवाई परिवार, त्रिलोक चंद, ज्ञानचंद बोरदा परिवार, सुशील कुमार, सौरभ कुमार पाटनी परिवार, बाबूलाल, मुकेश कुमार करवर परिवार एवं इंद्रमल प्रमोद कुमार पाटोदी परिवार कलकत्ता ने कलश स्थापित किए। इस मौके पर कमल सर्राफ, नरेंद्र छामुनिया, ओम ककोड़, पंकज फूलेता, लोकेश कल्ली, सुनील सर्राफ, पारस बहड़, नरेंद्र दाखिया, मनोज बहड़, अनिल सर्राफ, अशोक सर्राफ, भागचंद उम, नरेंद्र अतार, निर्मल फूलेता, रिंकू फूलेता, राजेश शिवाड़िया, धर्मचंद पतल दोना, अशोक झिराना धर्मचंद मंडावर, नवीन अलीगढ़ आदि समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

देहदान महादान

डॉ. केवल चन्द जी जैन की मृत्यु उपरांत चिकित्सीय कार्य हेतु किया देह का दान

जयपुर. शाबाश इंडिया

डॉ. केवल चन्द जी जैन साहब तीन मूर्ति सर्किल, जयपुर (पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, एनाटॉमी विभाग,सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज,जयपुर)का कल 94 वर्ष की अवस्था में देहवसान हो गया। उनके द्वारा लिये गये संकल्प की ''जहां मैने पुरा जीवन व्यतीत किया वहीं मेरे जीवन पश्चात मेरी देह का दान किया जाये'' के तहत आज तारीख 18 जुलाई 2025 प्रातः 9:15 बजे उनकी पार्थिव देह निज निवास से सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज,एनाटॉमी विभाग ''दान'' हेतु ले ले जाया गया ।दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार जनों को दुःख सहन करने की परमात्मा से कामना करते हुए महर्षि दधीचि परम्परा के आ.ड़ाक्टर साहब और उनके संकल्प को साकार करने वाले उनके पुरे परिवार के द्वारा की गई इस महान मानव सेवा की अनुमोदना करते है। एस एम एस अस्पताल परिसर में परिवार द्वारा उनकी याद में एक आम का पौधा भी लगवाया गया ।

ग्राम पंचायत डडूका द्वारा नरेगा श्रमिकों के माध्यम से 25 दिन में 975 पौधे लगाए गए

डडूका. शाबाश इंडिया

ग्राम पंचायत डडूका द्वारा सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत नरेगा श्रमिको ओर स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से 25दिन में 975पौधे लगाए गए। वार्ड पंच राजमल महवाई ने बताया कि पंचायत प्रशासक रेखा महवाई के निर्देशन में गांव में ओर आस पास के वन क्षेत्र में शीशम, अमरूद, सीताफल, गुलमोहर नीम, बांस, आम के फलदार और छायादार पौधे पी एच सी परिसर गमेरा तालाब किनारे, हनुमान मंदिर पूर्व, गोचरण खेल मैदान, भाला डूंगरा, तथा पटवार मंडल परिसर में 25 दिनों में 24 श्रमिकों ने 975पौधे लगा पर्यावरण संरक्षण का पावन संदेश दिया। आयोजन मे महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया में पटवार मंडल परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पौधों को पुष्पित पल्लवित करने का संकल्प दिलाया। आयोजन मे वी डी ओ सोहन जी पारगी,राजमल महवाई, जितेंद्र बुनकर, पन्नालाल खाट वाड़ी, भिखा भाई महवाई, प्रताप यादव, शांति, समरथ, वीणा, मंजुला, सोमी,रमिला, संतोष, नीमा तथा शंकर परमार ने सक्रिय सहयोग दिया। आयोजन संचालन राजमल महवाई ने किया, आभार ग्राम पंचायत डडूका प्रशासक रेखा महवाई ने किया।

वेद ज्ञान

दुख का निवारण कैसे हो?

दुख को जीवन का शाश्वत सत्य बताया गया है। सवाल यह है कि दुख का निवारण कैसे हो? इसकी खोज में अनंत काल से मनीषियों ने अपना जीवन अर्पित किया और उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला था कि दुख का कारण है और इसका निवारण भी है। दुख के कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है चाह, इच्छा या कामना। चाह का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है। हम जन्म से ही कुछ न कुछ चाहते हैं और चाह की पूर्ति न होने पर हम दुखी होते हैं। दुख का दूसरा कारण है, हमारा शरीर जो रोगधर्मा है। शरीर के धारण करते ही रोग व पीड़ा का जन्म हो जाता है। कई बच्चे तो जन्मते ही रोग के शिकार हो जाते हैं। कई रोगों पर तो नियंत्रण हो चुका है, परंतु अभी अनेक रोग लाइलाज हैं। वृद्धावस्था में कुछ ज्यादा ही रोग उत्पन्न होते हैं। रोग से उत्पन्न पीड़ा व रोग के उपचार के खर्च से रोगी और परिजन दोनों दुखी रहते हैं। चाह का बदला रूप है आकांक्षा। हम जीवन में ऊंचा पद, यश और कीर्ति चाहते हैं। आकांक्षा, प्रगति या विकास की जननी है, परंतु दुख का मूल भी है। आकांक्षा अपने आप में बुरी नहीं है, परंतु जब यह ममत्व व संग्रह की प्रवृत्ति से जुड़ जाती है तो यह न केवल स्वयं के लिए दुख का कारण बनती है, बल्कि पूरे समाज में विग्रह और विषमता का कारण भी बनती है। आकांक्षा जन्म देती है अहं और लोभ को। अहं से पैदा होता है क्रोध और संघर्ष। संघर्ष जब हिंसात्मक हो जाता है तब मूक वर्ग (जिसमें निर्धन वर्ग भी शामिल है) हिंसा के शिकार बनते हैं, भोग-उपभोग के साधन बनते हैं, शासित व दमित होते हैं। जब तक आकांक्षा और संग्रहवृत्ति बनी है, शोषण का यह चक्रव्यूह बरकरार रहेगा। शोषण की अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधन जैसे भूमि, जंगल, जानवर, खदान, उपकरण, पूंजी आदि पर कुछ लोग कब्जा कर शासक या मालिक बन जाते हैं और शेष लोग मजदूर या काम करने वाले। जिनका साधनों पर कब्जा है, उन्हें रोटी, कपड़ा, मकान की चिंता नहीं है, परंतु मजदूर और साधनहीन को तो सुबह होते ही मजदूरी पर जाना है, नहीं तो शाम का चूल्हा ही नहीं जलेगा। साधनों की प्रचुरता के बावजूद अनेक लोग सुखी महसूस न करने पर आनंद की खोज में अन्यत्र भटकते हैं।

संपादकीय

डर बढ़ा रहा है हवाई सफर

अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे के बाद से विमान सेवाओं की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। अगर उड़ान भरते ही किसी विमान का इंजन फेल हो जाए या फिर बीच रास्ते में तकनीकी खराबी आ जाए, तो इससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया सकता है। हवाई यात्रा में जोखिम इतना गहरा है कि हादसे की सूरत में बचने गुंजाइश नहीं होती। पिछले कुछ महीनों से लगातार घट रही घटनाओं से विमानन कंपनियों की साख तो खतरे में है ही, वहीं यात्रियों का भरोसा भी टूट रहा है और वे यात्रा के जोखिम को लेकर आशंकित हो रहे हैं। ऐसी घटनाओं की जवाबदेही स्पष्ट रूप से तय होनी चाहिए। अहमदाबाद हादसे से देश उबरा भी नहीं है कि बुधवार की रात विमान यात्री उस समय सहम गए, जब दिल्ली से गोवा जा रहे विमान का एक इंजन रास्ते में खराब हो गया। यह एक आपात स्थिति थी। लिहाजा मार्ग बदल कर उसे मुंबई में सुरक्षित उतार लिया गया। पायलट के समय रहते संदेश के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। यह चिंता की बात है कि विमानों के इंजन फेल होने के मामले बढ़ रहे हैं। विमानन कंपनियां डीजीसीए की हिदायत के बाद भी सजग नहीं दिख रही हैं। विडंबना यह है कि सुरक्षा या अन्य स्तर की जांच के संबंध में सख्त निर्देश किसी बड़े हादसे के बाद ही आते हैं। विमान के इंजन बंद होने या किसी भी तकनीकी खराबी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हाल ही में इंडिगो का ही एक विमान पटना

में हवाई पट्टी को छू कर दोबारा उड़ गया था और इस दौरान यात्रियों की सांसें अटकी रहीं। पांच मिनट बाद उसे सुरक्षित उतारा गया। अधिकतर हादसे विमान के उड़ान भरने या उतरते समय ही हुए हैं। सवाल है कि विमानों में तकनीकी खराबी के मामले क्यों बढ़ रहे है? किसी भी विमान की उड़ान से पहले सुरक्षा जांच और तकनीकी रूप से हर कसौटी पर सौ फीसद दुरुस्त होना सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है। एक छोटी-सी खामी या भूल उड़ान और उसमें सवार सभी यात्रियों के जीवन को खतरे में डाल सकती है। यह बेहद चिंताजनक है कि अहमदाबाद हादसे के अलावा, छोटी-बड़ी गड़बड़ियों की लगातार खबरें आने के बावजूद सुरक्षित उड़ान को लेकर पर्याप्त सजगता बरतने की जरूरत शायद महसूस नहीं की जा रही है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बाजार का समर्थन!

यह बात लंबे अरसे से समझी जा रही है कि एक तरफ शुल्कों की दीवार खड़ी कर दूसरी तरफ औद्योगिक नीति के जरिये देसी उद्योगों को सब्सिडी दी जाती है तो उसके कई बुरे नतीजे होते हैं। उनमें से एक है भारी भरकम देखी औद्योगिक समूह तैयार हो जाना। यह बात भारतीय नीति निर्माताओं को ज्यादा अच्छी तरह समझ आनी चाहिए थी क्योंकि यह आजादी के बाद भारत के आर्थिक इतिहास का हिस्सा है। सन 1990 के दशक में जाकर उदारीकरण ने अर्थव्यवस्था में कुछ हलचल पैदा की। लेकिन अब कुछ संकेत इस बात की चिंता पैदा करने लगे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे हालिया दौर में उदारीकरण के बाद के चलन के ये पहलू उलटने लगे हैं। अर्थशास्त्री अजय छिब्बर ने हालमें हुए कुछ शोधों का जिक्र करते हुए इसी समाचार पत्र में लिखा कि किसी भी एक क्षेत्र के कुल उत्पादन में कुछेक बड़ी फर्मों की बड़ी हिस्सेदारी का चलन पिछले एक दशक में बढ़ गया है साथ ही इन कंपनियों की कीमत तय करने की ताकत भी बढ़ गई है। ऐसे क्षेत्रों में छोड़ नहीं होने के बारे में जो निष्कर्ष आए हैं वे भी परेशानी बढ़ाने वाले हैं। विरोधाभास वह है कि जो क्षेत्र ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, उनमें कदम रखने में उतनी ही ज्यादा बाधाएं हैं। पहली बार कदम रखने वालों को उस क्षेत्र में पहले से काम कर रही कंपनियों के आकार के साथ तुलना कर कमतर समझ लिया जाता है। अगर इन बातों को एक साथ रखकर देखें तो परेशान करने वाली तस्वीर उभरती है भारत की वृद्धि अपेक्षाकृत छोटी संख्या में मौजूद बड़े कारोबारी घरानों के निवेश और उनके परिचालन विकल्पों पर निर्भर रह गई है। इनमें से कई पर अभी भी कुछ खास परिवारों का ही नियंत्रण है। ऐसा दांचा जरूरी नहीं कि उत्पादक निवेश तैयार करे वा उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी दबावों से संबद्ध लाभ दिलाए। निवेशक और टीकाकार आकाश प्रकाश इसी अखबार में लिखते हैं कि भारतीय कारोबार अल्पावधि के मुनाफे पर अधिक जोर देते हैं और निवेश पर कम। ऐसे में बाजार ढांचे का यह स्वरूप कैसे बरकरार है? आंशिक रूप से ऐसा शायद इसलिए हुआ क्योंकि वर्तमान के कुछ सर्वाधिक उत्पादक क्षेत्रों मसलन दूरसंचार और ई-रिटेल में नेटवर्क की ऐसी बाह्यताएं शामिल होती हैं जो पहले से मौजूद बड़े आकार की कंपनियों को लाभ पहुंचाती हैं। परंतु यह भी मानना होगा कि काफी हद तक द्वेष नीतिगत चयनों पर भी जाएगा। देश ने सचेतन ढंग से ऐसी औद्योगिक नीति और सरकार द्वारा निर्देशित निवेश को चुना जिसने अनिवार्य ढंग से बड़े कारोबारी समूहों को सशक्त बनाया। सरकार के लिए वह आसान होता है। कि वह ऐसी कंपनियों वाले कॉरपोरेट के साथ सहयोग करे बजाय ऐसी नीतियां बनाने के जो कई छोटे कारोबारियों को प्रोत्साहन दें। कुछ लोग कहेंगे कि यह वृद्धि और उत्पादकता के लिए बुरी खबर नहीं है। आखिर जापान, कोरिया जैसे देश और यहां तक कि अमेरिका ने भी 19वीं सदी के आखिर में जाइबात्सु चाइबोल और रॉबर बैरंस जैसे धनवान समूहों की मदद से वृद्धि हासिल की। इन समूहों ने सरकार के साथ सहयोग किया और रेलवे तथा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे नए क्षेत्र विकसित किए। बहरहाल अंतर यह है कि इससे कार्यकुशलता में भी सुधार हुआ है क्योंकि उन्हें हमेशा टैरिफ के जरिये बचाया गया और निर्यात बाजार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ (16 पिच्छी) के दर्शन, वंदन का सौभाग्य किशनगढ़ के भक्तों को मिला

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी गुरुदेव ससंघ का तरुणसागरम तीर्थ, दिल्ली मे किशनगढ़ के गुरु भक्तों को मिला असीम आशीर्वाद अंतर्मना गुरु चरणरज सेवक पुल्ज मंच के राष्ट्रीय महामंत्री चन्द्र प्रकाश बैद ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः स्मरणीय, प्रतिपल वंदनीय, भगवान महावीर के पश्चात अखंड मौन पूर्वक सिंह निष्क्रिड़ित व्रत (557 दिन की साधना जिसमे 496 निर्जला उपवास एवं मात्र 61 आहार) की कठिन साधना करने वालें संत समाज के एकमात्र संत, इस सदी के महान तपस्वी साधक अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी गुरुदेव ससंघ का इस वर्ष का मंगलमयी चातुर्मास तरुणसागरम तीर्थ, दिल्ली मे हो रहा है। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर गुरुदेव के सानिध्य मे चातुर्मास काल के दौरान अनेकों कार्यक्रम का आयोजन प्रतिदिन किया जाता है जिसमे देश विदेश के सेकड़ो गुरुभक्त सम्मिलित रहते है। आज प्रातः 7 बजे तरुणसागरम तीर्थ के मुलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक मे सोधर्म इन्द्र बनकर प्रथम कलश एवं शांतिधारा का सौभाग्य रविन्द्र कुमार चन्द्र प्रकाश बैद परिवार को मिला। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी गुरुदेव का आज दो निर्जला उपवास के बाद पारना हुआ जिसमे किशनगढ़ के गुरु भक्तों को आहार देने का सौभाग्य मिला। बैद ने बताया की तरुणसागरम तीर्थ, दिल्ली में अंतर्मना गुरुदेव आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी गुरुदेव एवं सभी संघस्त महाराज माताजी भी सम्पूर्ण चातुर्मास के दौरान विशाल तप आराधना कर रहे है। दिगंबर संघो मे ऐसा एकमात्र संघ है जिसमे संघस्त सभी साधु जन कुछ ना कुछ पुरे चातुर्मास कठिन साधना कर रहे है। इस चातुर्मास के दौरान व्रतों की लहर...अष्टानिका व्रत कर्ता (8 उपवास) अंतर्मना गुरुदेव आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज। क्षुल्लिका 105 व्रत प्रभा माताजी ,त्रिलोकसार व्रत कर्ता सौम्य मूर्ति उपाध्याय मुनि श्री 108 पीयूष सागर जी महाराज ,क्षुल्लिका 105 वचन प्रभा माताजी। दर्शन विशुद्धि व्रत कर्ता आर्यिका 105 ज्ञान प्रभा माताजी, क्षुल्लिका 105 धर्म प्रभा माताजी । चरित्र शुद्धि व्रत कर्ता मुनि श्री 108 परिमल सागर जी महाराज, आर्यिका 105 पुण्य प्रभा माताजी ।सम्पूर्ण जुलाई माह का मौन बाद में प्रतिदिन 12 घंटे का मौन प्रवर्तक मुनि श्री 108 सहज सागर जी महाराज। पूरे चातुर्मास में रस परित्याग मुनि श्री 108 अप्रमत्त जी सागर जी महाराज ,वर्णी श्री 105 अर्ध सागर जी महाराज ,वर्णी श्री 105 नैगम सागर जी महाराज। नमक व चीनी दोनों का त्याग वर्णी श्री 105 अर्ध सागर जी महाराज का पूरे चातुर्मास के चार माह पूर्ण मौन रहेगा। किशनगढ़ से अंतर्मना गुरुदेव के दर्शनाथ चन्द्र प्रकाश बैद, अशोक पाटनी (बड़ायली वालें), अक्षत बैद, जलज बैद के साथ शर्मिला पाटनी, संगीता बैद एवं आरती बैद सहित अनेक गुरु भक्त सम्मिलित थे।

चन्द्र प्रकाश बैद

धर्म नगरी इंदौर में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर रिजन ने कलश स्थापना का सौभाग्य प्राप्त किया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। अत्यंत प्रसन्नता है कि हम सब फेडरेशन साथियों के पुण्योदय से परम पूज्य अंतमुर्खी 108 श्री पूज्यसागरजी महाराज का वषायोग चातुर्मास परिवहन नगर इंदौर में भव्य रूप से होने जा रहा है। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि चातुर्मास के मंगल कलश स्थापना के अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर रीजन ने भव्य चातुर्मास में आचार्य शांतिसागर कलश की स्थापना का सामूहिक रूप से पुण्यार्जक बनने का परम सौभाग्य प्राप्त किया है। रीजन अध्यक्ष प्रदीप चौधरी एवं सचिव संजय पापड़ीवाल ने बताया कि इस अवसर पर फेडरेशन के निवर्तमान अध्यक्ष राकेश विनायका, पूर्व अध्यक्ष हसमुख गांधी, कमलेश कासलीवाल, परामर्शदाता अमित कासलीवाल, होलासराय सोनी, मनीष जैन, नमिष जैन, जितेन्द्र जैन आदि फेडरेशन एवं रिजन पदाधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में धमार्नुरागी समाज जन उपस्थित थे। इंदौर रीजन से वितुल अजमेरा,संजय पापड़ीवाल, अनूप गांधी, ऋषभ जैन, पिंकेश बिलाला द्वारा कलश स्थापना में सामुहिक रूप से सहयोग दिया गया। पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में आगामी 4 माह धर्म की अपूर्व गंगा बहने वाली है। दद्दू ने कहा कि इस वर्षायोग में रीजन से जो भी ग्रुप या सदस्य अपना सहयोग देकर पुणार्जन कर धर्म लाभ ले सकते हैं।

मनुष्य को सुख समृद्धि की कामना छोड़कर जिनवाणी मां का श्रमण कर अगले भव को सुधारने की कोशिश करने चाहिए : आर्यिका सुरम्य मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के पार्श्वनाथ चैताल्य में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में आज अभिषेक शांति धारा बाद विभिन्न पूवार्चार्यों के अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की गई कार्यक्रम जैन महासभा के राजाबाबू गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में आयोजित भरी धर्म सभा में आर्यिका श्री ने अपने मंगलमय आशीर्वचन में मनुष्य के अगले भव के बारे में प्रकाश डालते हुए आचार्य गुणभद्र स्वामी द्वारा रचित आत्मानुशासन ग्रंथ का प्रवचन दिया उसमें ग्रंथ के मंगलाचरण पर विशेष प्रभाव डाला और कहां की जिस प्रकार कड़वी औषधि के बिना रोग का निवारण नहीं हो सकता हमें औषधि कड़वी होने पर भी लेनी ही पड़ती है उसी प्रकार हमें अपने भव -भवांतरों को सुधारने के लिए जिनवाणी का श्रवण करना चाहिए चाहे वह पढ़ने और सुनने में कठिन ही क्यों न लगती हो ,इसी कड़ी में आगे माताजी ने बताया कि हमें आगे बढ़ने की कोशिश तो करनी चाहिए लेकिन यह नहीं कि दूसरों की तुलना करें कि उसके पास वह है तो हमारे पास भी वही सुख सुविधा साधन उपलब्ध हो ऐसी विचारधारा मनुष्य के दुखी रहने का कारण बनती है, मनुष्य को जीवन में संतोषी प्रवृत्ति रखकर धर्म- कर्म, दान -पुण्य , साधु सेवा, आदि कार्यो में लीन रहकर चर्या में रहना चाहिए दूसरे की तुलना करने से जीवन सफल नहीं हो सकता। चातुर्मास आहार चर्या समिति के मितेश लदाना ने बताया कि आर्यिका श्री ने सभी श्रद्धालुओं को धर्म के रास्ते पर चलने के लिए प्रोत्साहित किया, मंदिर समिति के कमलेश चोधरी ने बताया कि कार्यक्रम में मोहनलाल झंडा, सोहनलाल झंडा,केलास पंसारी,महावीर प्रसाद बावड़ी, महावीर अजमेरा, ओमप्रकाश डेठानी,सुकुमार झंड़ा,पारस नला, अशोक नला,धर्म चंद पीपलू,पदम बजाज, पारस मोदी,पवन कागला,अनिल कठमाना, विनोद मोदी, सुशील कलवाडा, तथा मनीष गोधा, अमन नला,नीरज झंडा,अनिल नला ,गोलू सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

तीन पीढ़ियों का समर्पण, एक ही लक्ष्य-शतरंज के जरिए राष्ट्र निर्माण

राजकीय सम्मान से सम्मानित जिनेश कुमार जैन व उनका परिवार बना प्रेरणा स्त्रोत

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व शतरंज दिवस के अवसर पर जब दुनिया भर में इस बौद्धिक खेल का सम्मान किया जा रहा है, जयपुर से एक ऐसा परिवार सामने आया है जो न सिर्फ इस खेल के प्रचार-प्रसार में वर्षों से जुटा है, बल्कि बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए प्रेरित कर रहा है। यह परिवार है झ राजकीय सम्मान से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता जिनेश कुमार जैन का। जिन्हें हाल ही में 26 जनवरी 2025 को उनकी ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा व सामाजिक समर्पण के लिए राजकीय सम्मान से नवाजा गया। लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान है झ शतरंज के प्रति उनका अथाह प्रेम और सेवाभाव। एक पूरा परिवार, एक ही ध्येय जिनेश कुमार जैन का परिवार ''भागचंद-संतोष जैन, ऋतु जैन और वाणी जैन'' तीनों पीढ़ियां तन-मन-धन से शतरंज के लिए समर्पित हैं। वे ना केवल शतरंज टूर्नामेंट्स का आयोजन करते हैं, बल्कि निःशुल्क कोचिंग और सीनियर कोचों द्वारा विशेष प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित कराते हैं। हाल ही में संपन्न 10 दिवसीय निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर इसका सशक्त उदाहरण है, जहां बच्चों ने इंटरनेशनल स्तर के कोचों से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

लक्ष्य: भारत के लिए विश्व विजेता बनाना

इस परिवार की सोच केवल आयोजन तक सीमित नहीं है। इनका सपना है-हर बच्चा खेले, सोचे, बढ़े और भारत का नाम रोशन करे। जिनेश कुमार जैन और उनका परिवार बच्चों में आत्मविश्वास जगाने, उन्हें खेल के जरिए अनुशासन और रणनीति सिखाने, तथा भविष्य के लिए मार्गदर्शन देने में सतत सक्रिय है।

प्रेरणा बनता जा रहा है यह परिवार

जयपुर ही नहीं, राजस्थान और देशभर में जिन बच्चों ने इस परिवार से प्रेरणा और प्रशिक्षण लिया है, वे आज राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे हैं। विश्व शतरंज दिवस पर यह परिवार एक जीवंत उदाहरण है कि कैसे एक खेल, जब सेवा और समर्पण से जुड़ता है, तो वह समाज निर्माण का माध्यम बन जाता है।

गुरु जलवा देखकर नहीं चर्या देखकर बनाएं: मुनि श्री आदित्य सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने आज प्रातः कीर्ति नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में कहा कि वैराग्य धन खर्च करके धारण नहीं कर सकते हृदय से उत्पन्न होता है और जब वैराग्य हृदय में आए तो उसे हमें ग्रहण कर लेना चाहिए इंतजार नहीं करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि जिन लोगों के मूड में हम नहीं कर पाते हैं वह केवल अपने स्वार्थ के लिए रोते हैं। सच्चा हितैषी हमारे मोक्ष मार्ग में बाधक नहीं साधक बनता है। आज मनुष्य दूसरों को समझने में लगा रहता है स्वयं समझने का प्रयास नहीं करते। अगर हम स्वयं समझने लग जाएंगे तो दूसरे को समझाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वह हमारा आचरण देखकर ही समझदार हो जाएगा। जिस दिन संसार के सारे पदार्थ हमें हेय लगने लगेंगे उस दिन वैराग्य जागेगा और आत्म कल्याण के मार्ग पर निकल जाएगा । जो सोया हुआ है उसे जगाया जा सकता है लेकिन जो व्यक्ति सोने का नाटक कर रहा है उसे कभी नहीं जगाया जा सकता। मुनि श्री ने कहा कि हेय उपादेय को समझना ही समझदारी है। हेय का अर्थ होता है छोड़ने योग्य और उपादेय का अर्थ है ग्रहण करने योग्य। खाना खाते समय हम विवेक लगाते हैं कि क्या हमें खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए तो उसी तरह जीवन जीते समय भी हमें इस चीज का ध्यान रखना चाहिए कि हमें किस तरह का जीवन जीना है। मुनि श्री ने कहा कि हमारे जीवन में एक गुरु होना अत्यंत आवश्यक है अपने गुरु की सेवा में लगा यही सूझबूझ है बुद्धिमान व्यक्ति समझदार होता है जितना पूछा जाए उतना ही वह जवाब देता है। शादी व्यापार करना कोई बड़ी बात नहीं है उसे समझदारी से निभाना बड़ी बात है। समझदार व्यक्ति अच्छे कार्य जल्दी कर लेता है और बुरे कार्यों को विलंब से करता है दूसरों की गलतियों से भी बुद्धिमान व्यक्ति हमेशा सीख लेता है गुरु का जलवा देखकर नहीं चर्या देखकर बनाना चाहिए। बुद्धिमान समझदार अभ्यास अध्ययन और अनुभव से ही बन सकते हैं। मंदिर अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन और महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि प्रारंभ में इंदौर , जबलपुर, टीकमगढ़, भोपाल और बाहर से आए हुए गुरुभक्त परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन और पाद प्रक्षालन किया गया । प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया विशुद्ध ज्ञान वर्षा योग में मुनि आदित्य सागर , मुनि अप्रमित सागर, मुनि सहज सागर व शुल्लक श्रीयश सागर जी का मंगल चातुर्मास कीर्ति नगर जयपुर में चल रहा है। प्रतिदिन शाम को मुनिसंग द्वारा शंका समाधान का आयोजन किया जा रहा है ।

श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक महिला का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह संपन्न

भिंड. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सार्थक महिला की अध्यक्ष बनी मोतीरानी जैन, कार्य अध्यक्ष साधना जैन, सचिव रूबी जैन, कोषाध्यक्ष रिंकी जैन। भिंड शहर के कीर्ति स्तम्भ जैन मंदिर परिसर में दिनांक 17 जुलाई को श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक महिला का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरूवात मंच उद्घाटन चित्र अनावरण एवं दीपप्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ महावीर प्रार्थना एवं मंगलाचरण के साथ आगे का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद बीना ओम प्रकाश अग्रवाल बाबू , शपथ विधि अधिकारी आलोक जैन राष्ट्रीय संयुत मंत्री फेडरेशन, अतिविशिष्ट अतिथि अनुपम चौधरी ग्वालियर रीजन अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि आशीष जैन चम्बल रीजन सचिव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ एस के जैन, राष्ट्रीय सहसचिव महावीर प्रसाद जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील जैन, निर्देशक मंडल सदस्य राकेश जैन बच्चू, चित्र अनावरणकर्ता निशा-राकेश जैन, द्वीपप्रज्जवलन कर्ता नीता-चकेश जैन, मंच उद्घाटनकर्ता नेहा जैन अड़ोखर पूजा जैन, मंचासीन रहे। कार्यक्रम सयोंजक स्नेहलता जैन, मोती रानी जैन, मंजू जैन बजरिया सहित समस्त श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सार्थक महिला कार्यकारणी उपस्थित रही। कार्यक्रम में जैन समाज प्रवक्ता एवं अखिल भारतीय जैन पत्रकार संघ जिलाध्यक्ष सोनल जैन को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम अल्पित जैन के द्वारा किया गया और अंत में नवीन अध्यक्ष के उद्घोष के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया सभी सदस्यों और बाहर से आए हुए अतिथियों का सम्मान किया गया और मंच संचालन सुनील जैन रीजन सचिव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भिंड जिले की सभी शाखाएं राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

-सोनल जैन की रिपोर्ट

संतोष से बड़ा कोई धन नहीं: आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। शुक्रवार की प्रातः बेला में धर्म सभा में सर्वप्रथम मंगलाचरण श्रीमती शोभना सांवला ने किया मंगल प्रवचन देते हुए परम पूज्य वाक्केसरी आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि संसारी जीव के पास दो ही चीज हैं सत्य या असत्य जैसा व्यक्ति का मन मस्तिष्क होगा वैसा ही कार्य होगा बुराई का होगा तो बुराई का काम होगा। अच्छाई में आत्मसात होगा तो व्यक्ति अच्छा करेगा यही कारण है कि कहा जाता है कि अच्छा विचार करो। हमें अच्छा होने की अभिव्यक्ति नहीं हो पाती हमें परिवर्तन करना होगा धर्म ध्यान करने से ही आत्म कल्याण के मार्ग खुलते हैं। आप मोहल्ले में घूमते हो तो नजर आता है कि लोग दुख परेशानियां से रचित है लोग मानसिक शारीरिक कष्टों में रह रहे हैं। यही देखने को मिलता है कि संपूर्ण जीव दुखी दिखाई पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि आप अपने कार्यों से संतुष्ट नहीं है इसीलिए दुख है। संतोष से बड़ा कोई धन नहीं है धन का अभाव इतना परेशान नहीं करता जितना संतुष्ट नहीं होना होता है लेकिन हमें संतुष्टि नहीं है। लोगों को संतुष्ट होना नहीं आता। सुख का सबसे बड़ा कारण संतोष है जो मिल गया है उसी में संतुष्ट होना सुख है। पड़ोसी के सुख को देखकर अपने आप को देखते हैं और संतुष्ट नहीं होते। जो कुछ भी करते हैं उसकी कीमत जब होती है जब वह शुद्ध होता है उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सोने की कीमत खदान में नहीं होती सोने की कीमत बाहर निकलने के बात होती है शुद्ध होने के बाद ही उसकी कीमत होती है। हमारी कीमत नहीं है हमने क्या किया उसकी कीमत है। आचार्य श्री ने ज्ञान के विषय में कहा कि ज्ञान स्वपर प्रकाशक होता है। ज्ञान में क्षमता है कि वह दुख का निराकरण करता है। अज्ञान दुख देने वाला होता है और ज्ञान सुख देने वाला होता है।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जयपुर सासंद मंजू शर्मा द्वारा पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

चाँदवाड़ परिवार, जयपुर द्वारा आगामी 27 जुलाई, रविवार को महावीर स्कूल परिसर, सी -स्कीम मे आयोजित मानव सेवार्थ विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का माननीया सांसद जयपुर द्वारा पोस्टर का विमोचन किया। परिवार के मुख्य समन्वयक विशुतोष चाँदवाड़ एवं हर्षल चाँदवाड़ ने बताया कि आगामी 27 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। सांसद जी ने कैंप के बारे मे पुरी जानकारी प्राप्त की और कैंप आने का न्योता स्वीकार किया । कैंप मे विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर्स अपनी सेवाये निःशुल्क देंगे। इस अवसर पर कैंप के संयोजक प्रदीप- मीना, अनिल- अलका, विशुतोष- नीति, संजय - नितिका, प्रद्युम्न, नितिन, चाँदवाड़ एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा...

जीवन के सुखद अनुभव और आध्यात्मिक आनंद के लिये परिचय और परिग्रह की आवश्यकता नहीं पड़ती

जीवन जीने के दो तरीके हैं एक ढंग का,, दूसरा ढोंग का । ढंग से जीवन जीने के लिए आवश्यक सामग्री की आवश्यकता पड़ती है और ढोंग से जीवन जीने के लिए अनावश्यक वस्तुओं की आवश्यकता पड़ती है,जो जीवन के अन्त तक भी पूरी नहीं की जा सकती। मोर को नाचते किसने देखा-? मोर के पंख ना भी हो तब भी वह जीवन जी लेगा। क्योंकि मोर का पंखों से जीवन जीने का कोई सम्बन्ध नहीं है, ना भोजन पानी का, ना बच्चा पैदा करने का। मोर के पंख तो अतिरेक है, वह जरूरत से ज्यादा की खबर दे रहे हैं। मोर के पंख उसके रूप सौन्दर्य में कारण है,, लेकिन जीवन जीने में कारण नहीं है। आवश्यकता के अनुसार जीवन जीने वाला व्यक्ति बहुत सोच समझकर पैसा खर्च करता है,, और अनावश्यक जोड़ने वाला व्यक्ति मौज मस्ती ऐसो आराम में पैसा बरबाद करता है। कहने का मतलब है कि हम आपको आवश्यकतानुसार जीवन जीने की बात कह रहे हैं। संसार के पशु पक्षी, जानवर आवश्यकतानुसार जीवन जीते हैं,, लेकिन इन्सान पशु पक्षी जानवरों से भी ज्यादा बदतर होकर आदमी के रूप में भेड़िया का जीवन जी रहा है। इन्सान की इच्छाओं और जरूरतों की कोई लिमिट नहीं है,, इसलिए आदमी बीमारियों का बोझ लेकर घूम रहा है। ऐसा जीवन जिओ जो अतिरेक से बाहर ना हो... !!! अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में विविध धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रुंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

रिमझिम फुहारों में निकली धर्म यात्रा

धर्म जागृति महिला मण्डल ने किए शहर में चातुर्मासरत मुनि आर्यिका संघों के दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। धर्म जागृति महिला मण्डल प्रताप नगर जयपुर के सदस्यों द्वारा गुलाबी नगरी में चातुर्मासरत मुनियों एवं आर्यिका संघों के दर्शनाथ एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया। मण्डल अध्यक्ष अनिता ईटून्दा के अनुसार इस अवसर पर मंडल के सदस्यों द्वारा आचार्य सुंदर सागर जी महाराज ससंघ के दर्शन चित्रकूट कालोनी सांगानेर में, आर्यिका नंदीश्वरमती माताजी के दर्शन चौमू बाग सांगानेर में, आर्यिका प्रशांत नंदिनी माताजी ससंघ के दर्शन मानसरोवर में, उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के दर्शन वरुण पथ मानसरोवर में, आचार्य नवीन नंदी जी महाराज के दर्शन दहमी कलां में, मुनि आदित्य सागर जी के दर्शन कीर्ति नगर में, मुनि पावन सागर जी महाराज के दर्शन महारानी फार्म में, गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी के दर्शन लाभ दुर्गापुरा में प्राप्त किए। मण्डल मंत्री शेफाली जैन ने बताया कि प्रातः 7 बजे प्रताप नगर में विराजित मुनि अरह सागर जी महाराज के दर्शन कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। मण्डल उपाध्यक्ष मीनाक्षी जैन के अनुसार इस अवसर पर जयपुर के अतिशय क्षेत्रो के दर्शन लाभ भी मिले। यात्रा में मंडल कोषाध्यक्ष रेखा पिपलिया, संयुक्त मंत्री हेमलता पचेवर, संगठन मंत्री सुनीता नैनवां, लक्ष्मी ढिबरू, ऊषा गंगवाल, ममता गंगवाल, चीना सांखूनिया, ममता पलाई सहित अनेक महिलाएं शामिल हुई।

जे.एल.एन. चिकित्सालय में शिशुओं के पोषण पर सेमिनार आयोजित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जे.एल.एन. चिकित्सालय के शिशु रोग विभाग द्वारा कम वजन वाले शिशुओं के पोषण पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में विशेषज्ञों ने कम वजन वाले शिशुओं के लिए उचित पोषण के महत्व और उनके स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव पर चर्चा की। इस सेमिनार में डॉ लखन पोसवाल की अध्यक्षता में डॉ जयप्रकाश नारायण द्वारा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ अशोक चंदाना ने स्टेटिक्ट्स पर चर्चा की जिसमें मॉडरेटर डॉ संजीव सूर्या सहित डॉ अमित यादव, डॉ लक्ष्मण चारण, डॉ मस्तान, डॉ रामवतार, डॉ महेंद्र निमेल एवम सीनियर और जूनियर डॉक्टरों सहित 40 से अधिक शिशु रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। **सेमिनार के मुख्य बिंदु:** स्तनपान का महत्व विशेषज्ञों ने कम वजन वाले शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व पर प्रकाश डाला और इसके लाभों पर चर्चा की। पोषण संबंधी चुनौतिया विशेषज्ञों ने कम वजन वाले शिशुओं के पोषण संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की और उनके समाधान के तरीकों पर चर्चा की। स्वास्थ्य पर प्रभाव विशेषज्ञों ने कम वजन वाले शिशुओं के पोषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव पर चर्चा की और उनके स्वास्थ्य में सुधार के तरीकों पर चर्चा की। **विशेषज्ञों की राय:** कम वजन वाले शिशुओं के लिए स्तनपान बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनके स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। हमें कम वजन वाले शिशुओं के पोषण संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए नवीनतम तकनीकों और तरीकों का उपयोग करना चाहिए। **सेमिनार का उद्देश्य:** सेमिनार का उद्देश्य कम वजन वाले शिशुओं के पोषण पर चर्चा करना और उनके स्वास्थ्य में सुधार के तरीकों पर चर्चा करना था। इस सेमिनार का उद्देश्य शिशु रोग विशेषज्ञों और स्वास्थ्य कर्मियों को कम वजन वाले शिशुओं के पोषण के महत्व और उनके स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूक करना था।

संघी जी जैन मंदिर सांगानेर में शांति विधान पूजा का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी में संगीतमय में शांति विधान पूजन का आयोजन किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग के महामंत्री महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट ने बताया कि प्रातः भक्ति भाव के साथ भगवान का अभिषेक और शांति धारा की गई उसके पश्चात मंत्रोच्चार के साथ संगीतमय भजनों के माध्यम से भगवान के समक्ष प्रथम वलय पर 8 द्वितीय वलय पर 16 तृतीय वलय पर 32 एवं चतुर्थ वलय पर 64 अर्घ्य अर्पित कर विश्व शांति की कामना की गई । आयोजक परिवार अभय कुमार विनोद कुमार अशोक कुमार शाह ओर से शांति विधान के बाद भगवान की आरती की गई। इस अवसर पर विशाल जैन आरती जैन निधि जैन संजय अक्षत व संभव जैन सहित अन्य धर्म बंधु उपस्थित रहे। प्रतिष्ठाचार्य पंडित नवीन शास्त्री के सानिध्य में पूर्ण विधि विधान के साथ भगवान की भक्ति की गई। युवा गायिका रूबी जैन ने हिंदी व राजस्थानी भजनों के माध्यम से भगवान को भावनाएं समर्पित की । भजन आओ बाबा पधारो बाबा .... , मेरे प्रभु की मूरत ऐसे चमके जैसे चांद सितारे ..... , सावन का महीना होगा .....हे गुरुवर थारो चेलों बनू में , थार साथ चालू में.... आदि भजन प्रस्तुत किए।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग संपन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की नए सत्र 2025-26 की नई पी. एस. टी. टीम द्वारा प्रथम मासिक मीटिंग होटल टी जी आई बी में बड़े ही उल्लास पूर्वक, लहरिया थीम पर, धूमधाम से आयोजित की गई, जिसमे क्लब की लगभग सभी सदस्याओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।क्लब की नवनिर्वाचित अध्यक्ष ला.सुजाता स्वर्णकार ने सभी का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए मीटिंग की अध्यक्षता की।वर्ष भर में किये जाने वाले सेवा कार्यों की रूपरेखा से अवगत कराया,एवम सभी से सहयोग की अपेक्षा की। सचिव ला.नीलम मित्तल द्वारा 1 जुलाई से आजतक के किये गए सेवा कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। क्लब फाउंडर ला.महादेवी आर्य द्वारा अपने उदबोधन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए नई अध्यक्ष का उत्साहवर्धन किया।स्वादिष्ट भोजन के साथ सभा का समापन हुआ।

जयपुर के 9 दिवसीय धार्मिक यात्रा दल ने जयकारों के बीच की मुक्तागिरी पर्वत वन्दना सभी जीवों के कल्याण के लिए की सामूहिक प्रार्थना

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में आयोजित 9 दिवसीय धार्मिक यात्रा में शामिल यात्रियों का दल शुक्रवार, 18 जुलाई को सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी पहुचा जहां मुक्तागिरी पर्वत वन्दना के साथ मंदिरों में सामूहिक दर्शन, अभिषेक, पूजा अर्चना कर प्रभू की भक्ति की । यात्रा दल के संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि पद यात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं यात्रा दल के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में गये 170 यात्रियों के जत्थे में शामिल पुरुष यात्रियों ने पर्वत वन्दना के दौरान शुद्ध केसरिया वस्त्र धारण कर जयकारों के बीच मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की विशाल पद्मासन प्रतिमा के पदयात्रा संघ की ओर से पंचामृत अभिषेक तथा कर पुण्यार्जन किया। समाजश्रेष्ठी चिरंजी लाल सुजीत गोधा प्रेमल सम्यक स्वाति साक्षी अरिषा गोधा फतेहपुर वालों ने विश्व में सुख, शांति, समृद्धि और पूरे विश्व की मंगल कामना के साथ शांतिधारा का पुण्यार्जन किया। यात्रा दल संयोजक सुरेश ठोलिया एवं मनीष लुहाड़िया ने बताया कि दल में शामिल यात्रियों ने नाचते गाते भक्ति में झूमते हुए भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों के साथ पर्वत वन्दना प्रारम्भ की। इस दौरान मुक्तागिरी पर्वत पारसनाथ का ठिकाना है..... , ऊचें ऊचें शिखरों वाला है यह तीर्थ हमारा....., पारस प्यारा लागों जिनेश्वर प्यारा लागों....., भक्ति राचन लागी प्रभू जी थारे....., आदि भजनों से गुंजायमान हो उठा। पर्वत पर स्थित 52 जिनालयों के दर्शन लाभ की वन्दना कर सभी यात्री प्रफुल्लित हो उठे। संयोजक मनीष लुहाड़िया एवं जिनेन्द्र जैन के मुताबिक यात्रियों ने मार्ग में आये कस्बों, शहरों में अहिंसा, शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया। संयोजक सुरेश ठोलिया के मुताबिक शुक्रवार, 18 जुलाई को रात्रि विश्राम भोजपुर (मध्य प्रदेश)में किया। संयोजक विनोद जैन कोटखावदा एवं मनीष लुहाड़िया के मुताबिक शनिवार, 19 जुलाई को भोजपुर में प्रातः भक्तामर स्तोत्र के रचयिता मानतुंगाचार्य की समाधि स्थली एवं दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन लाभ प्राप्त करेंगे।

मुनिश्री की निश्रा में तपस्वियों का हुआ सम्मान एवं तप की सामूहिक में की अनुमोदना

तप का सम्मान-साधना का उत्सव

मदुराई, तमिलनाडु. शाबाश इंडिया

तेरापंथ भवन में आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री हिमांशु कुमार जी आदि ठाणा-2 की पावन सान्निध्य में तेरापंथ सभा द्वारा समाज के तपस्वी रत्नों की अनुमोदना व सम्मान समारोह आयोजित किया गया मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा ने बताया कि मुनिश्री के प्रवचन पश्चात तपस्वी संगीतादेवी जीरावला 11 उपवास , बिनित श्रवण बोथरा 11 उपवास एवं रिंकू पीयूष सकलेचा 9 उपवास की तपस्या सम्पन्न की। सभी तपस्वियों को पच्चक्खाण मुनिश्री हिमांशु कुमारजी ने दिया । भवन में तपस्वियों का तेरापंथ सभा की ओर से तप की अनुमोदना कर साहित्य भेंट कर सम्मान किया सभा मे इससे पूर्व मुनिश्री के सानिध्य में पूजा राहुल कोठारी, मनीषा सुपुत्री मोहनलाल बोथरा, बबीता अक्षय लोढ़ा, नेहा नितिन दुधेड़िया ने 8 उपवास की तपस्या संम्पन्न की । सभा के नेनमल कोठरी 11 उपवास का तप करते हुए आगे बढ़ रहे है इससे पूर्व तेरापंथ सभा, युवक परिषद् एवं तेरापंथ महिला मंडल एवं स्थानीय गायिका कविता शाह आदि ने गीतिकाओं के माध्यम से तप की अनुमोदना की । भवन में धर्ममय वातावरण में ह्रूँ अर्हंह्व की मंगल ध्वनि एवं सामूहिक अनुमोदना के स्वर गूँजयमान रहे । सभी तपस्वियों को तप की सुख साता पूछकर उनके प्रति मंगल भावना व्यक्त की । इस दौरान मदुराई जैन समाज सहित अन्य समाज के सदस्यगण मौजूद रहे ।तेरापंथ सभा के मीडिया प्रभारी अशोक जीरावला ने मीडिया को दी जानकारी ।

धर्म परीक्षा का नहीं श्रद्धा का विषय है: आचार्य सुंदर सागर

दुनिया आपके बारे में क्या सोचती है यह महत्वपूर्ण नहीं आप दुनिया के प्रति क्या सोचते हैं यह महत्वपूर्ण है

जयपुर में 6 जेनेश्वरी दीक्षा के लिए आचार्य श्री को जयपुर जैन समाज करेगा श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर में चल रहे चातुर्मास के बाद 6 ज्ञानेश्वरी दीक्षाएं होना निश्चित हो गया है उक्त दीक्षाएं जयपुर की धारा पर हो इस भावना के साथ सकल जैन समाज जयपुर की ओर से शनिवार को आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज ससंघ के चरणों में श्रीफल भेंट कर उन्हें जनेश्वरी दिखाएं जयपुर की धारा पर ही करवाने हेतु निवेदन किया जायेगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि आचार्य श्री के सानिध्य में नवंबर माह में 6 जेनेश्वरी दीक्षाएं होना प्रस्तावित परंतु उनका स्थान निश्चित नहीं हुआ है इसलिए सांगानेर जैन समाज की एक बैठक गुरुवार को आयोजित की गई जिसमें आचार्य श्री को उक्त दीक्षा चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर में ही करने हेतु श्रीफल भेंट करने का निर्णय लिया गया। समिति कोषाध्यक्ष महेंद्र सोगानी व प्रशासनिक समन्वयक महावीर सुरेंद्र जैन ने बताया कि आचार्य श्री ने प्रातः धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी सतयुग की बातों पर विश्वास नहीं करती परंतु कलयुग की बातों का ज्यादा विश्वास करती है युवा पीढ़ी धर्म से विमुख होती जा रही है जो कि चिंता का विषय है । उन्होंने कहा की युवा वीतराग विज्ञान से जुड़ेंगे तो उन्हें जीवन की वास्तविकता का ज्ञान हो सकेगा । आचार्य श्री ने कहा कि लोग भौतिकता के पीछे भाग रहे हैं ,गूगल पर सर्च कर रहे हैं कि बेटा कैसा होगा परंतु अध्यात्म से दूर हो रहे हैं। आज युवा पीढ़ी ही नहीं बल्कि वृद्ध व्यक्ति भी मोबाइल की चपेट में आ गए हैं । उनमें स्वयं का विवेक कम होता जा रहा है जो की चिंताजनक है । लोग बाह्य वस्तु के इतने पराधीन हो गए हैं कि स्वयं को ही भूल बैठे हैं धर्मसभा में आचार्य श्री ने कहा कि धर्म से कल्याण हो सकता है । कोरोना काल में जैन धर्म के सिद्धांत याद आ गए थे। लोगों ने पानी छानकर पीना , पानी को गर्म करके पीना , उबली सब्जियां खाना शुरू कर दिया था । लोग अध्यात्म की ओर लौट रहे थे, यह अद्भुत बात थी। उन्होंने कहा कि विज्ञान परीक्षा का विषय है वही धर्म श्रद्धा का विषय है । विज्ञान बाहर की दुनिया दिखलाता है परंतु धर्म ही है जो अंतर और बाहर दोनों का ज्ञान कराकर मोक्ष मार्ग प्रशस्त करता है । आचार्य श्री ने कहा कि चिंता मुक्त रहना चाहते हो , घर में शांति चाहते हो, दुकान में आमदनी चाहते हो तो अपने जीवन में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन कर लीजिए । आपके आत्मिक विकास में सबसे बड़ी बाधा है यह है कि आप इसे महत्वपूर्ण मानते हो कि दुनिया आपके बारे में क्या सोचती हैं । यदि जीवन में आगे बढ़ना चाहते हो , विकास करना चाहते हो , आत्मिक उत्थान करना चाहते हो तो आज से ही दुनिया तुम्हारे बारे में क्या सोचती है यह सोचना बंद कर दो , दुनिया के बारे में आप क्या सोचते हैं यह सोचता शुरू कर दो क्योंकि सामने वाले की सोच से तुम्हारा कुछ नहीं बिगड़ेगा लेकिन तुम्हारी सोच तुम्हारा आज और भविष्य तय करेगी। जैन वह होता है जो दूसरे के बारे में अच्छा सोचता है जो अपने से ज्यादा दूसरे व्यक्ति की चिंता करता है। यही वीतराग शासन है। धर्म इस दुनिया में सबसे बड़ा शांति प्रदाता है। इसलिए जीवन में शांति और उन्नति चाहते हो तो धर्म के मार्ग पर चलकर वीतराग शासन के सिद्धांतों का अनुपालन करना सीख लो।

मन अपने संबंध में कम सोचता है दूसरो के संबंध में अधिक सोचता है: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

छिंदवाड़ा जैन समाज को मिला महापूजा का सौभाग्य

रविवार को होगी महाश्रमण सुधा सागर ग्रन्थराज पर प्रतियोगिता : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मन अपने संबंध में कम सोचता है दूसरो के संबंध में अधिक सोचता है किसी की बुराई की बात ध्यान आते ही ऐसा डूब जाता है कि उसे ख्याल ही नहीं रहता वह है कहा क्या करने निकला था और क्या कर रहा है यदि इस मन से कह दिया जाये के तू अपने आप को तो देख उसकी दृष्टि अपने आप पर जाएगी ही नहीं जरा अपनी नाशिका पर ध्यान लगाकर देखें अपनी आत्मा के चिंतन में एक मिनिट को भी आपका मन नहीं टिकेगा हमारे पास अपने आप के लिए समय ही नहीं है जव देखो दूसरे के लिए ही सोचते रहते हैं अपने मन को थोड़ा लगाम दो और अपनी ओर आने की कोशिश करो उक्त आश्य के उद्गार सुभाष गंज में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। इसके पूर्व आज छिंदवाड़ा जैन समाज से सवा सौ श्रद्धा लुओ के साथ ही महिला मंडल को आज परम पूज्य गुरुदेव मुनिपुंगव श्रीसुधा सागर जी महाराज की महा पूजा का सौभाग्य प्राप्त हुआ इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आज सभ्यता गर्त में जा रही है सभ्यता और संस्कृति बचाने के लिए हमें संतों की शरण में जाना होगा श्रमण संस्कृति के रक्षक के रूप में आज हमारे गुरुदेव सब कुछ कर रहे हैं परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधा सागर

जी महाराज के आशीर्वाद से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की शुरूआत हुई और आज सैकड़ों विद्वान और विदूशिया देशभर में धर्म संस्कृति संस्कार सम्भता के लिए कार्य कर रहे हैं आने वाले दिनों में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर का व्रहद कार्यक्रम अशोक नगर जैन समाज को आयोजित करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। इस दौरान छिंदवाड़ा जैन समाज के पदाधिकारियों का जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई संयोजक मनोज रन्नौद थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो ने बहुमान किया।

रोटरी क्लब रोटरेक्ट इनर व्हील क्लब का हुआ विशेष सत्र

जिला मुख्यालय की प्रमुख समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब रोटरेक्ट इनर व्हील क्लब के सदस्य ने मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में जिज्ञासा समाधान रखने का सौभाग्य प्राप्त किया इसके पहले आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन रोटरी अध्यक्ष अजित कुमार एल आई सी रोशन कोहली कमल सड़ाना डॉ राकेश मंजू नामदेव वी डी गुप्ता सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया जिनका सम्मान विपिन सिंघई अजित वरोदिया मनोज भैसरवास शालू भारत सहित अन्य प्रमुख जनो दारा किया गया इस दौरान सभी ने गुरु चरणों में अपनी भाव रखी इस दौरान मुनिश्री ने कहा कि क्ल्ब का मतलब एक विचार का समूह जो धनवानों और गरीब जरूरतमंद अशाह गरीब बीमार व्यक्ति के बीच का सेतु बने पात्रलोगोंतक अमीर आदमी से धन लेकर उनकी आवश्यक सेवा करें तव इन क्लब और संस्थाओं की सार्थकता होगी।

बच्चो की ज़िद पूरी नहीं करना

उन्होंने कहा कि कभी वेटे की इच्छा पूरी नहीं करना शायद ही कोई ऐसा बेटा बिटिया होगे जिसने अपने मां बाप से इच्छाएं पूरी नहीं कराई होगी यह तक की बच्चे धमकी तक दे देते हैं धमकी देने वाला कभी मरता नहीं है ये दुर्योधन की तरह है दुर्योधन ने यही तो किया था धृतराष्ट्र को धमकीं देकर एक चाल चली राज आज्ञा से धूतक्रिड़ा आयोजित की गई उसे पता था कि धर्मात्मा की सबसे बड़ी कमजोरी बड़े की आज्ञा का पालन करना और सकुनी मामा ने उन्हें किस तरह से निपटाया और क्या हुआ आप को पता है ये तो सतयुग की बात थी आज तो घर घर में दुर्योधन पैदा हो रहे हैं यहां मोटीवेशन अपने बेटे बेटियों की ज़िदो को पूरा नहीं करना आप कुछ भी नियम मत लेना एक ही नियम ले लै मैं अपनी इच्छाओं की पूर्ति माता पिता से नहीं कराऊंगा।

सम्यक दृष्टि आत्मा के जागरण की प्रथम सीढ़ी: उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

सम्यक दृष्टि आत्मा के जागरण की प्रथम सीढ़ी है। शांतिभवन में चातुर्मास की धर्मसभा में उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने कहा जब किसी जीव की दृष्टि मोह, राग-द्वेष, अहंकार और अज्ञान से मुक्त होती है, तब वह सम्यक दृष्टि को प्राप्त करता है। बिना सम्यक दर्शन के न तो सच्चा ज्ञान संभव है, न ही आचरण की शुरूआत। उन्होंने यह भी कहा कि सम्यक दृष्टि का अर्थ केवल तीर्थंकरों में श्रद्धा रखना ही नहीं है, बल्कि उनके उपदेशों में भी गहरी आस्था और विवेकपूर्ण विश्वास रखना होता है। सम्यक दृष्टि वाला व्यक्ति सांसारिक मोह-माया से ऊपर उठकर आत्मकल्याण की ओर अग्रसर होता है। यही सही मार्ग है, जो उसे मोक्ष की ओर ले जाता है। महासती विद्याश्री ने कहा कि माता-पिता व गुरु की आज्ञा का पालन करने वाला व्यक्ति जीवन में कभी ठोकर नहीं खा सकता। वह हर परिस्थितियों का सामना कर सकता है। साध्वी हर्षश्री, साध्वी जयश्री ने वीर स्तुति के पाँचवे अध्ययन का वाचन और वर्णन किया। साध्वीवृंद ने उपप्रवर्तक कोमल मुनिजी महाराज के जन्मदिवस पर मंगलकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा गुरु अम्बेश सौभाग्य मदन की तरह श्रमणसंघ का गौरव बढ़ाएं। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी देते हुए बताया कि कोमल मुनिजी के जन्मदिवस पर शांतिभवन के संरक्षक नवरतनमल बंब, अध्यक्ष राजेंद्र चीपड़, वक्ताओं ने मेवाड़ शिरोमणि प्रवर्तक अम्बेश सौभाग्य गुरु के शिष्य कोमल गुरु के गुणगान किए और सभी श्रद्धालुओं ने दो-दो सामायिक की। धर्मसभा में चातुर्मास समिति के अध्यक्ष कंवरलाल सूरिया, नवरतनमल सिसोदिया, गौतम मेड़तवाल, कैलाश सूर्या, किशन गाडोलिया, महावीर आंचलिया, सुभाष खाब्या, रतन संचेती, मुकेश भलावत सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। -**प्रवक्ता निलिप्का जैन**

इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर वहीं नाम अंकित कराता जो गम खाना ओर नम जाना सीख लेता है: कुमुदलताजी म.सा.

सुभाषनगर स्थानक में शुक्रवार को पद्मावति एकासन आराधना करने उमड़े श्रावक-श्राविकाएं

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रावक वहीं होता है जो आगम का स्वाध्याय करता है। उन माता-पिता को धन्यवाद देना चाहिए जो बच्चों को जिनशासन की सेवा के लिए संयम पथ पर ओर राष्ट्र की सेवा के लिए सेना में भेज देते है। जीवन में जो नमना ओर गम खाना सीख जाता है वहीं कभी मुसीबत में नहीं आ सकता। याद रखे पत्थर उसी पर फेंके जाते है जो नम जाता है। सामने वाला बदले या नहीं पर हमे अपने स्वभाव में बदलाव लाना है। जो गम खाता है वह इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में नाम अंकित करा लेता है। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. ने आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में शुक्रवार को धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने चातुर्मास में अधिकाधिक तप त्याग करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इस चातुर्मास में कम से कम चार मासखमण ओर 108 अठाई गुरू चरणों में समर्पित करने की भावना रखे। तप करना वीरों का काम होता है। तप की अग्नि से हम अपने कर्मो को खपा सकते है। जो व्यक्ति कम खाता है उसका जीवन पवित्र बन जाता है। हमने आहार पर नियंत्रण रखना सीख लिया तो काया निरोगी हो जाएगी। कुमुदलताजी म.सा. ने कहा कि जैसा हम अन्न खाएंगे वैसा हमारा मन होगा ओर जैसा पानी पीएंगे वैसी वाणी हो जाएगी।

राष्ट्र संत आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का पावन वर्षा योग, रविवार , 20 जुलाई को सलूंबर में

सलूंबर. शाबाश इंडिया

गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य राष्ट्र संत श्री विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का 2025 का चातुर्मास सलूंबर, मेवाड़, (राजस्थान) में होने जा रहा है। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष श्री राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि गुरु पूर्णिमा एवं चातुर्मास मंगल कलश स्थापना जैन बोर्डिंग चुंगी नाका पर रविवार , 20 जुलाई को दोपहर 12:35 बजे होगी। इस समय संघ में कुल तेरह साधु व आर्यिका माताएं हैं। सतीश जैन ने बताया कि इस महोत्सव में देश भर से समाज श्रेष्ठी व समाजजन सलूंबर पहुंचेंगे। इसी श्रृंखला में इंदौर नगर से भी सैकड़ो की संख्या में गुरु भक्त कारों व बसों से वहां पहुंचकर पुण्य लाभ लेंगे। दिगंबर जैन सोशल सोशल ग्रुप के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री मनोहर जी झांझरी एवं पूर्व अध्यक्ष राकेश जी विनायका, जैन समाज के महामंत्री श्री सुशील जी पांड्या व कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र जी सोनी ने सभी समाजजनों से सलूंबर पहुंचने की अपील की है।

सतीश जैन (इला बैंक)
प्रचार प्रमुख दिगंबर जैन समाज, सामाजिक संसद, इंदौर।

एक्यूप्रेशर थेरेपी शिविर का समापन

सागर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब सागर एवं जैन मिलन मकरोनिया के संयुक्त तत्वावधान में, 12 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक, एक्यूप्रेशर वाइब्रेशन एवं कपिंग थेरेपी शिविर का आयोजन स्नेह भवन अंकुर कॉलोनी मकरोनिया में किया गया था। जिसका उद्घाटन शुभारंभ 12 जुलाई को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन मनीष शाह मल्टीपल काउंसलिंग चेयरमेन एवं ला.उर्वशी शाह केबीनेट सेकेट्री द्वारा किया गया था। ला: महेश श्रीवास्तव अध्यक्ष लायंस क्लब एवं वीर सुरेश जैन अध्यक्ष जैन मिलन ने बताया कि यह शिविर थैरेपिस्ट श्रवण चौधरी, मनीष चौधरी एवं सुरेश चौधरी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में लगाया गया,जिसमें 70 लोगों ने भाग लिया इन लोगों को घुटने दर्द,कमर दर्द, जोड़ों का दर्द सर्वाइकल दर्द,साइटिका का दर्द एवं हाथ पैरों में थकान या सुन्नपन के लोगों को, इनके लाज से बहुत ही फायदा हुआ। शिविर प्रभारी लायन गुलझारी लाल जैन एवं वीर राजेश जैन प्राचार्य ने बताया कि यह शिविर सुबह 9:00 से 12:00 बजे तक एवं शाम 4से 8:00 बजे तक संचालित होता था, जिसमें महिला- पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया, यह शिविर निशुल्क था। समापन के अवसर पर आज तीनों थैरेपिस्ट का सम्मान, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं तिलक लगाकर सम्मान पट्टीका से किया गया। सम्मान करने वालों में मुख्य रूप से लायन महेश श्रीवास्तव अध्यक्ष ला.सुरेश जैन सचिव लायन, गुलझारी लाल जैन कोषाध्यक्ष, लायन सुनील सागर लायन,राम लखन यादव, ला.आरडी शर्मा एवं शिविर प्रभारी वीर राजेश जैन प्राचार्य, वीर सुरेश जैन, वीर रविंद्र जैन, वीर पी सी जैन वीर प्रसून जैन, वीर आलोक जैन अतिवीर अरुण चंदेरिया, वीर मनीष विद्यार्थी, वीर वीरेंद्र विनीत परिधान,वीर अरविंद जैन, वीर संजय शक्कर, वीर विजय अरिहंत ज्वेलर्स, वीर उत्तमचंद जैन, वीरांगना विद्या जैन,कल्पना जैन सविता जैन पुष्प लता जैन संध्या जैन आदि महिला परिषद की बहनें उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में लायन महेश श्रीवास्तव एवं सुरेश जैन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। -**मनीष जैन विद्यार्थी सागर**